

सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाई, रीजनल आउटरीच ब्यूरो द्वारा आयोजित की जा रही विशेष
मल्टीमीडिया डिजिटल प्रदर्शनी में भाषण

15-19 फरवरी, 2020
कोटा, राजस्थान

मैं भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाई, रीजनल आउटरीच ब्यूरो का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इस विशेष मल्टीमीडिया डिजिटल प्रदर्शनी और जन जागृति कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

ब्यूरो द्वारा सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक बनाने और विकासात्मक कार्यकलापों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी लगाई गई है। जब आप लोग यहां घूमेंगे और प्रदर्शनी को देखेंगे तो पाएंगे कि क्रमिक रूप से सुरुचिपूर्ण ढंग से इसे लगाया गया है। मैं इसके सफल आयोजन के लिए ब्यूरो को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि आर.ओ.बी. एकमात्र ऐसा सरकारी संगठन है, जो जनता के साथ सीधा संवाद कर रहा है। हालांकि मास मीडिया अर्थात् टीवी, रेडियो और समाचार-पत्रों से व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचा जा सकता है, किंतु यह एकतरफा संवाद होता है।

आर.ओ.बी. के माध्यम से सीधे जनता से दोतरफा संवाद होता है, जो कहीं अधिक कारगर है। आर.ओ.बी. इकाइयों के अधिकारी गांवों के साथ-साथ शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में भी जाते हैं और जनता से उनकी अपनी भाषा और उनके अपने स्थानीय परिवेश में संवाद करते हैं।

आम आदमी और सरकार के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य कर रही आर.ओ.बी. की इकाइयों से भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों को सरकार के कार्यक्रमों के बारे में आम जनता से सीधे फीडबैक मिलने की सुविधा भी उपलब्ध होती है।

वर्ष 2022 में हमारी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसलिए यह हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम नए भारत के निर्माण को मूर्त रूप देने के लिए नई ऊर्जा से साथ मिलकर काम करें। नया भारत एक ऐसा आधुनिक समाज होगा, जो ग्राम स्वराज, सामाजिक न्याय और समानता, एक भारत-श्रेष्ठ भारत, अंत्योदय और भाईचारे के सिद्धांतों पर आधारित होगा।

यह एक ऐसा समाज होगा जहां अपनी प्राचीन गौरवशाली संस्कृति में गौरव के साथ ही उन्नत ज्ञान की शक्ति से पूरी दुनिया को रोशन करने की भावना होगी; जहां सभी भागीदारों चाहे वे बच्चे हों, युवा हों या वृद्ध, महिला हों या पुरुष, निर्धन हों या उपेक्षित, सभी के सर्वांगीण विकास और भागीदारी की ओर समुचित रूप से ध्यान दिया जाएगा; जहां सबके लिए सुलभ, किफायती और विश्व स्तरीय शैक्षिक संस्थाएं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और पोषाहार उपलब्ध होगा।

जहां प्रत्येक भारतीय अपने सपनों को साकार करने के लिये साधन-संपन्न होगा और वह इस प्रकार कार्य करेगा जिससे हम सब संतुष्ट और खुशहाल होंगे।

इसी संदर्भ में मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस लोक सभा के पहले दो सत्रों में ही कामकाज के मामले में पिछले सात दशकों में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है।

हमारी संस्थाओं में जनता की आस्था से ही हमारे लोकतंत्र का आधार मजबूत होता है। हमारे संविधान में देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने तथा देश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए आवश्यक कानून बनाने के लिये संसदीय लोकतंत्र का प्रावधान किया गया है।

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, मोटरयान (संशोधन) अधिनियम, चिट फंड (संशोधन) अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम इत्यादि जैसे अनेक ऐतिहासिक कानूनों से सभी वर्गों की भलाई के लिये समाज में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सुधार लाने की हमारी प्रतिबद्धता का पता चलता है।

प्रत्येक क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए तीव्र गति और दृढ़ निश्चय से कार्य किए जा रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों से विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। पिछले पांच सालों में 79 स्थानों की बढ़त के साथ वर्ष 2019 में भारत इस सूची में 63वें स्थान पर आ गया है।

"सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास" के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए देश के सभी वर्गों और क्षेत्रों को साथ लेकर चलने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए देशवासियों के समग्र विकास पर विशेष रूप से जोर दिया जा रहा है।

विभिन्न कार्यक्रम और योजनायें शुरू की गई हैं, जिनमें आयुष्मान भारत, फिट इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, डिजिटल भारत, महिला अधिकारिता, स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, किसानों की आय को दोगुना किया जाना, स्वच्छ भारत मिशन, मिशन इंद्रधनुष, जल जीवन मिशन, जन औषधि योजना, जननी सुरक्षा योजना आदि शामिल हैं।

1 फरवरी, 2020 को वित्त मंत्री ने भी अपने बजट भाषण में वर्ष 2022 तक नए भारत के निर्माण के प्रयासों के भाग के रूप में संवेदनशील समाज के निर्माण की सरकार की प्राथमिकता को रेखांकित किया गया है।

एक स्वस्थ, जाग्रत, संवेदनशील, शांतिप्रिय, सौहार्दपूर्ण और समरस समाज ही देश में प्रगति को असीम गति दे सकता है और विकास के अपने लक्ष्य को पूर्ण कर सकता है। यह सारी खूबी हमारे देश में है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि राजस्थान क्षेत्र के आर.ओ.बी. का प्रत्येक फील्ड आउटरीच ब्यूरो भारत सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिये महीने में 12 दिन गांवों का दौरा करता है।

ये ब्यूरो मत निर्माताओं के साथ मौखिक संवाद; ग्राम कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें, संकेंद्रित सामूहिक चर्चाएं, संगोष्ठियां, प्रतिस्पर्धाएं, फिल्म शो, रैली, प्रचार-सामग्री का वितरण और प्रश्नोत्तर सत्रों का आयोजन करते रहते हैं।

इसके अलावा, विभिन्न क्लाइंट या संबंधित मंत्रालयों के लिये विशेष कार्यक्रमों और जन सूचना अभियानों की व्यवस्था भी की जाती है। मुझे विश्वास है कि ऐसे प्रयासों और जनता की भागीदारी से हम शीघ्र ही नए भारत के सपने को साकार करने में सफल होंगे।

साथियो, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वच्छता को ईश्वर की आराधना मानते थे। पिछले साल 2 अक्टूबर को गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों ने स्वयं को खुले में शौच से मुक्त घोषित करके राष्ट्रपिता को उपयुक्त श्रद्धांजलि दी है। अब यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम आने वाले दशक में अपने शहरों और गांवों को और अधिक स्वच्छ और सुंदर बनायें।

जल संरक्षण के बारे में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से आर.ओ.बी. द्वारा की गई जल योद्धा जैसी नई पहल बहुत सराहनीय है। मैं उन चुने हुये जल योद्धाओं को बधाई देता हूं, जो ब्रांड एम्बेसडर के रूप में कार्य करते हुए इस अभियान को राजस्थान के कोने- कोने तक पहुंचा रहे हैं।

पिछले वर्ष से ही पर्यावरण के संरक्षण हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक की चीजों का इस्तेमाल बंद करने का आह्वान किया गया है। ये पर्यावरण के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो सकते हैं। आपको यह जानकर अच्छा लगेगा कि संसद भवन परिसर में भी सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। मैं यह आह्वान करता हूँ कि आप भी सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से परहेज करें और पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं का उपयोग करें।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं रीजनल आउटरीच ब्यूरो को सरकार और जनता के बीच दोतरफा संवाद को सुदृढ़ करने के उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। मैं इस मल्टीमीडिया डिजिटल प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिये अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

निश्चय ही ऐसी प्रदर्शनियां भारत के जन-जन को प्रेरित करेंगी एवं उन्हें ज्ञान-गंगा में डुबकी लगाने का अवसर प्रदान करेंगी। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।
